an>

Title: Need to develop Ramayana tourist circuit and also to set up a Ramayana heritage complex at Chitrakoot.

श्री गणेश सिंह (सतना) ः भारत सरकार ने धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थानों को जोड़ने के लिए 12 टूरिस्ट सर्किट की घोषणा की थी, जिसमें भगवान श्री राम के जन्म स्थान अयोध्या (उ.प्र.) के वनवास काल के महत्वपूर्ण स्थान चित्रकूट (म.प्र.) सहित 84 कोशी परिक्रमा जिनका शास्त्रों में उल्लेख है, शामिल है। भगवान श्री राम का जीवन चरित्र का वर्णन रामायण महाकाव्य में लिपिबद्ध है। भगवान श्री राम अपने 14 वर्ष के वनवास में 11 वर्ष 6 माह चित्रकूट में राजा मुझगेन्द्र से अनुमति लेकर चित्रकूट में निवास किया था। जहां देश-विदेश के लाखों तीर्थ-यात्री आते-जाते हैं तथा इन स्थानों का अदभुत आध्यात्मिक महत्व बना हुआ है। इन स्थानों को विकसित करने हेतु तथा इसे मानचित्र में लाने हेतु केन्द्र सरकार के पर्यटन विभाग ने रामायण टूरिस्ट सर्किट के रूप में घोषित किया था। किन्तु अभी तक उसकी व्यवस्थित रूप-रेखा सामने नहीं आई है। मैंने चित्रकूट सहित 84 कोशी परिक्रमा के उन स्थानों को शामिल करते हुए उन्हें विकसित करने का प्रस्ताव दिया हुआ है। किन्तु इस पर अभी तक क्या कार्यवाही हुई? मुझे अवगत नहीं कराया गया है। चित्रकूट में रामायण का ऐतिहासिक परिसर बनाना अत्यन्त आवश्यक है। यह पर्यटन एवं सांस्कृतिक के दृष्टिकोण से भी अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। मैंने अपने चित्रकूट में इस हेतु जमीन भी आरक्षित कराई है, और उसका एक प्रस्ताव भी पर्यटन मंत्रालय को प्रस्तुत किया है, जिसकी अविलम्ब स्वीकृति चाहता हूँ। मेरी मांग है कि जल्द से जल्द इसे विकसित करने के लिए निर्णय करने का कष्ट करें।